UG Sem. - IV

MJC - 6 Edu. Psy.

Topic - Academically Backward Gifted children

प्रतिभाशाली बच्चे (Academically Sifted children)

साधारणतः ऐसे बालक को प्रतिभाशाली कहा जाता है जिसकी बुद्धि औसत बालकों की तुलना में अधिक तीव्र होती है। परन्तु, प्रश्न यह है कि ऐसे बालक की बुद्धि कितनी तीव्र होती है? उसकी बुद्धि-लब्धि (I.Q.) कितनी होती है? इन प्रश्नों के सम्बन्ध में विद्वानों के बीच मतभेद है। Terman & Merrill के अनुसार 140 या इससे अधिक बुद्धि-लब्धि (टरमन, मैरिल) वाले बालक को ही प्रतिभाशाली कहते हैं। Goddard (गोडार्ड) के अनुसार 130 या इससे अधिक बुद्धि-लब्धि वाले बालक प्रतिभाशाली कहे जाते हैं। इसी तरह Hollingworth (हॉलिंगवर्थ) ने प्रतिभाशाली बालकों की न्यून सीमा (lower limit) 120 बुद्धि लब्धि बतलाई है। लेकिन, अधिकांश मनोवैज्ञानिक Terman & Merrill के विचार से ही सहमत हैं।

आधुनिक विद्वानों के अनुसार प्रतिभाशाली शब्द से न केवल मानसिक श्रेष्ठता (Superiority) का बोध होता है बल्कि शारीरिक, सामाजिक, नैतिक तथा संवेगात्मक श्रेष्ठता का भी परिचय मिलता है। इसीलिए, Kolesnik (कोलेसनिक) ने इस शब्द का प्रयोग बड़े ही व्यापक अर्थ में किया है। उनके अनुसार — "प्रतिभाशाली शब्द का प्रयोग उस बालक के लिए किया जाता है जो अपने आयु-स्तर के बालकों से किसी योग्यता में श्रेष्ठ है और जो हमारे समाज के कल्याण में विशिष्ट रूप से सहायक है।"

"The term gifted has been applied to every child who in his age group, is superior in some ability which may make him an outstanding contributor to the welfare of quality of living in our society."

Kolesnik.

प्रतिभाशाली बालकों की विशेषताएँ (Characteristics of gifted children):—

प्रतिभाशाली बालकों की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं:—

① मानसिक शीलगुण (Mental traits):—

प्रतिभाशाली बालकों की एक मुख्य विशेषता यह है कि सामान्य या साधारण बालकों की अपेक्षा उनकी मानसिक योग्यता कहीं अधिक होती है। इस संबंध में किए गए अध्ययनों के आधार पर प्रतिभाशाली बालकों की बुद्धि-लब्धि 140 से अधिक बताई जाती है। एक सामान्य बालक की बुद्धि-लब्धि की उच्चतम सीमा (Upper limit) 109 है और एक प्रतिभाशाली बालक की बुद्धि-लब्धि की न्यूनतम सीमा 104 है। इससे स्पष्ट हो जाता है कि प्रतिभाशाली बालक की बुद्धि सामान्य बालकों की अपेक्षा कहीं अधिक है।

② शारीरिक शीलगुण (Physical traits) —

प्रतिभाशाली बालक सामान्य बालकों की अपेक्षा लम्बे तथा भारी वजन के होते हैं। जन्म के समय ही वे औसत बच्चों से 1 पौंड भारी तथा 1½ इंच लम्बे होते हैं। समाज में एक गलत धारणा बहुत दिनों तक बनी रही कि प्रतिभाशाली बालक शारीरिक त्रुटियों से पीड़ित होते हैं। इस संदर्भ में कुछ विद्वानों का व्यक्तित्व उच्च कोटि का उदाहरण माना जाता है। जैसे — बिथोवेन (प्रसिद्ध जर्मन चिकित्सक) जन्मजात बहरा थे, डेमॉस्थेनीज (प्रसिद्ध वक्ता) भाषा-दोष से ग्रस्त था, सुकरात (प्रसिद्ध विद्वान) बहुत कुरूप थे और नेपोलियन (प्रसिद्ध योद्धा) अत्यन्त नाटा थे। लेकिन, यह धारणा अब गलत सिद्ध हो चुकी है।

③ सामाजिक एवं आर्थिक स्तर (Socio-economic level) —

प्रतिभाशाली बालक प्रायः उच्च वंशपरम्परा के होते हैं। उनके माता-पिता औसत जनसंख्या की अपेक्षा अधिक बुद्धिमान एवं शिक्षित होते हैं। उनका संबंध उच्च व्यवसाय या पेशा से होता है। इसके विपरीत, कभी-कभी निम्न वंशपरम्परा तथा गरीब परिवार के बालक भी प्रतिभाशाली निकल आते हैं। अतः ऐसा कहना शत-प्रतिशत सही नहीं होगा कि प्रतिभाशाली बालकों का संबंध मात्र उच्च परिवार एवं वंशपरम्परा से ही है।

④ सामाजिक एवं संवेगात्मक शीलगुण (Social & emotional traits) —

प्रतिभाशाली बालक अपनी आयु के औसत बालकों से अधिक सामाजिक होते हैं। दूसरे शब्दों में उनमें सामाजिक तथा संवेगात्मक

परिपक्वता (maturity) अधिक पाई जाती है। शिक्षण, खेल-कूद, वाद-विवाद (Debates) आदि क्षेत्रों में वे श्रेष्ठ (Superior) होते हैं। इन में नेतृत्व (leadership) का गुण भी पाया जाता है।

(5) शिक्षण एवं शिक्षा (Learning & education) —

प्रतिभाशाली बालकों में उस उम्र के बालकों की अपेक्षा सीखने की योग्यता अधिक होती है। वे तीन माह पहले बोलना शुरू करते हैं तथा 2 माह पहले चलना सीख लेते हैं। उनका शब्दभण्डार (vocabulary) अपेक्षाकृत बड़ा होता है। लगभग 50% ऐसे बालक स्कूल में प्रवेश पाने के पूर्व ही पढ़ना सीख जाते हैं। उनकी अभिरुचि अमूर्त विषयों (Abstract subjects) में अधिक होती है। वे अपनी सूझ एवं अपने पूर्वअनुभवों (Past experiences) से लाभ उठाने में दक्ष होते हैं। मात्र संकेत से ही वे बहुत कुछ समझ जाते हैं। अतः ऐसे बालकों को शिक्षित करने में शिक्षकों को माथापच्ची नहीं करनी पड़ती है।

(6) प्रतिज्ञा पालन (Fulfilment of promise) —

प्रतिभाशाली बालकों की एक विशेषता यह भी है कि वे अपने बचपन के लक्षणों को युवावस्था (Adulthood) में भी कायम रखते हैं। आयुवृद्धि के साथ उनकी योग्यताओं (Abilities) में ह्रास या कमी नहीं होती बल्कि एक खास अनुपात (Ratio) में वे बढ़ती रहती है। Terman ने कालीफोर्निया विश्वविद्यालय के छात्रों तथा छात्राओं का अध्ययन करके यह निष्कर्ष प्राप्त किया कि प्रतिभाशाली बालकों तथा समान आयु के औसत बालकों की योग्यताओं का अनुपात युवावस्था में भी लगभग समान रहता है।

(7) अन्य विशेषताएँ (Other characteristics) —

Terman के अनुसार प्रतिभाशाली बालकों में मौलिकता (Originality), आनन्दवृत्ति (Pleasing wit) सामान्यीकरण (Generalization) की क्षमता, धैर्य (Perseverance) आदि गुण पाए जाते हैं।

इसी तरह L.A. Averill (एवेरिल) ने प्रतिभाशाली बालकों की ~~[illegible]~~ विशेषताओं की चर्चा निम्न प्रकार से की है —

(i) मानसिक क्रियाओं में शीघ्रता (Quickness)
(ii) अमूर्त विषय की ओर झुकाव।
(iii) उच्च एवं विकसित शब्दभण्डार।
(iv) उच्च सामान्य ज्ञान।